

DR. VIHARIDAS GOPALDAS PATEL

Dr. Viharidas Gopaldas Patel is an Economist who pioneered entrepreneurship development movement in India. As early as 1970, he evolved a unique Entrepreneurship Development Program of motivating, training and counseling which enabled people from all walks of life, disregarding caste, community, family, income, gender or religion, to become capable and confident owners of their own enterprises and become job-creators. His work has proved that entrepreneurs, the engines of growth, are not born only, but can be created also. This has been a social and economic breakthrough.

2. Born on September 06, 1939, in Ahmedabad, Gujarat, to devout Gandhian parents, Dr. Patel got his Master's and Doctorate Degrees in Economics from the University of Wisconsin, USA. He served industrial development corporations of Gujarat Govt. as Chief Economic Advisor for 10 years [1969-79] and developed innovative schemes to provide finance, infrastructure and entrepreneurship training. India's first Center for Entrepreneurship Development was set up by him in 1979 in Ahmedabad for Gujarat State and he was its Director till 1983.

3. As this program with 70% start-ups and 90% success spread all over India, Dr. Patel became the Founder Director of Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad in 1983. EDII has been India's and Asia's first resource institute set up by Industrial Development Bank of India and leading financial organizations to create, promote and support entrepreneurship in the country. Under his visionary leadership EDII became an Inter-Regional Center for Entrepreneurship and Investment Training for UNIDO and Government of India and is among the United Nations network of Centers of Excellence for HRD research and training. With the support of the World Bank, UNIDO and ILO, Dr. Patel has taken the Indian EDI-EDP model to over 20 African and Asian developing countries.

4. Dr Patel's expertise was instrumental in setting up of two national Apex policy-making bodies for promoting entrepreneurship in the country: National Entrepreneurship Development Board in the Industry Ministry and National Science and Technology Entrepreneurship Development Board in the Dept. of Science and Technology, both in Govt. of India. He also served as a Member of the prestigious National Expert Committee (Abid Hussain Committee) which revised the Small-Scale Industry policies in the country.

5. Dr. Patel has documented his experiences in books: "Seven Business Crises - How to Beat them"; "When Going Gets Tough—Business Response to Crises" for success and growth of entrepreneurs; and "Innovations in Banking: the Gujarat Experiments", a study funded by the World Bank. He has been awarded the Agakhan International Award for pioneering work in entrepreneurship by Agakhan Foundation, Geneva, and A.B. Bhatt Entrepreneurship Development Award by Entrepreneurs International Trust, Pune, India. He is presently Chairman, Consumer Education and Research Center [CERC], Ahmedabad, devoted to national consumer protection activities; and Governing Board Member of CHARUSAT University, Gujarat where he focuses on excellence in Higher Education.



डॉ. विहारीदास गोपालदास पटेल

डॉ. विहारीदास गोपालदास पटेल एक अर्थशास्त्री हैं, जिन्होंने भारत में उद्यमिता विकास आंदोलन की अगुआई की है। वर्षों पहले 1970 में, आपने अभिप्रेरण, प्रशिक्षण तथा परामर्श देने का एक अप्रतिम उद्यमिता विकास कार्यक्रम विकसित किया, जिसने जाति, संप्रदाय, परिवार, आमदनी, लिंग अथवा धर्म का भेदभाव किए बिना जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को अपने निजी उद्यमों का योग्य एवं आत्मविश्वास से परिपूर्ण स्वामी बनाने के लिए सक्षम बनाया और वे रोजगार सर्जक बने। आपके कार्य ने यह सिद्ध किया है कि विकास के कर्णधार अर्थात उद्यमी, केवल पैदा ही नहीं होते अपितु इन्हें सृजित भी किया जा सकता है। आपकी यह सोच एक सामाजिक एवं आर्थिक उपलब्धि बन गई है।

2. आपका जन्म 6 सितम्बर, 1939 को गुजरात के अहमदाबाद में एक सच्चे गांधीवादी माता-पिता के यहां हुआ। आपने अर्थशास्त्र में अपनी परास्नातक एवं डॉक्टरी उपाधियां विशकॉनसिन विश्वविद्यालय, अमेरिका से प्राप्त की। आपने 10 वर्षों (1969 से 1979) तक गुजरात सरकार के औद्योगिक विकास निगमों में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएं दीं तथा वित्त, अवसंरचना और उद्यमिता प्रशिक्षण मुहैया कराने के लिए अभिनव योजनाएं विकसित कीं। गुजरात राज्य के लिए आपके द्वारा भारत का पहला उद्यमिता विकास केन्द्र स्थापित किया गया था और आप 1983 तक इसके निदेशक भी रहे।

3. जैसे ही 70 प्रतिशत स्टार्ट-अप्स और 90 प्रतिशत की सफलता के साथ यह कार्यक्रम पूरे भारत में फैला, 1983 में आप भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई डी आई आई), अहमदाबाद के संस्थापक निदेशक बने। भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा स्थापित ई डी आई आई, भारत एवं एशिया का प्रथम संसाधन संस्थान तथा देश में उद्यमिता सृजित करने, प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक सहयोग देने के लिए अग्रणी वित्तीय संगठन बन गया है। आपके दूरदर्शी नेतृत्व में ई.डी.आई.आई., ''यूनिडो'' तथा भारत सरकार के लिए उद्यमिता एवं निवेश प्रशिक्षण के लिए एक अंतर-क्षेत्रीय केन्द्र बन गया और यह मानव संसाधन विकास शोध एवं प्रशिक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र के उत्कृष्ट केन्द्रों के नेटवर्क में शामिल है। विश्व बैंक, यूनिडो तथा आई.एल.ओ. के आर्थिक सहयोग से आप भारतीय ई.डी.आई. – ई.डी.पी. मॉडल को 20 से अधिक अफ्रीकी और एशियाई विकासशील देशों में भी ले गए।

4. देश में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए दो राष्ट्रीय शीर्ष नीति निर्धारक निकायों अर्थात उद्योग मंत्रालय में राष्ट्रीय उद्यमिता विकास बोर्ड तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड की स्थापना में आपकी विशेषज्ञता की मुख्य भूमिका रही। ये दोनों ही निकाय भारत सरकार के अंतर्गत हैं। आपने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति (आबिद हुसैन समिति) के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दी जिसने देश की लघु उद्योग नीतियों को संशोधित किया।

5. आपने अपने अनुभवों को जिन पुस्तकों में लेख-बद्ध किया : उनमें सफलता एवं उद्यमियों के विकास हेतु ''सेवेन बिज़नेस क्राइसिस-हाऊ टु बीट देम'' ; ''व्हेन गोइंग गेट्स टफ – बिजनेस रिस्पांस टु क्राइसिस'' तथा विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित अध्ययन अर्थात इन्नोवेशंस इन बैंकिंग : द गुजरात एक्सपेरिमेंटस'' मुख्य रूप से उल्लेखनीय हैं। आपको आगाखान फाउण्डेशन, जेनेवा द्वारा उद्यमिता में अग्रणी कार्य के लिए आगाखान इंटरनेशनल अवार्ड तथा इंटरप्रेन्योर्स इंटरनेशनल ट्रस्ट, पुणे, इंडिया द्वारा ए.बी. भट्ट इंटरप्रेन्योरशिप विकास पुरस्कार प्रदान किए गए। वर्तमान में आप उपभोक्ता शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, अहमदाबाद, जो कि राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण गतिविधियों के लिए समर्पित है, के अध्यक्ष और 'चारूसैट' युनिवर्सिटी, गुजरात के शासी बोर्ड सदस्य हैं, जहां आप उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता पर विशेष ध्यान देते हैं।